

डॉ. वेंडी एल. विडर, डेनियल, सत्र 10, दानियेल 7, परमेश्वर का श्रेष्ठ राजा और अनन्त साम्राज्य

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डैनियल की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. वेंडी विडर हैं। यह सत्र 10, डैनियल 7, भगवान का श्रेष्ठ राजा और शाश्वत साम्राज्य है।

इस व्याख्यान के लिए हम डैनियल 7 में हैं और मैंने डैनियल 7 का शीर्षक रखा है, ईश्वर का श्रेष्ठ राजा और उसका शाश्वत साम्राज्य।

डैनियल की पुस्तक में हम कहाँ हैं, इसके संदर्भ में, हम अंत तक पहुंच गए हैं, हमारे अरामी में अंतिम अध्याय तो आपको याद होगा कि हमने अध्याय दो से शुरुआत की थी, नबूकदनेस्सर ने इस मूर्ति का सपना देखा था। अध्याय तीन, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को आग की भट्टी का सामना करना पड़ा। अध्याय चार, नबूकदनेस्सर ने एक शानदार पेड़ का सपना देखा है, और अंततः उसके गौरव के लिए उसका न्याय किया गया।

अध्याय पाँच में, बेलशेज़र दीवार पर लिखावट देखता है, और उसके लिए संदेश यह है कि उसका न्याय ईश्वर द्वारा किया जाएगा, जो कि वह तुरंत है, और उसका राज्य डेरियस को जाता है, जो अध्याय छह में दिखाई देता है, जहाँ डैनियल का सामना होता है परमेश्वर के प्रति उसकी निष्ठा के कारण सिंह। अध्याय सात में, डैनियल के पास एक दृष्टि है जिसमें वह जानवरों को इस अशांत, अराजक समुद्र से बाहर निकलते हुए देखता है, और फिर उसे इस शाश्वत साम्राज्य का एक दर्शन होता है जो भगवान के पास है। तो, हमारी संरचना के संदर्भ में, अध्याय दो और अध्याय चार समान हैं।

वे दोनों चार मानव साम्राज्यों, चार सांसारिक राज्यों और फिर भगवान के पांचवें शाश्वत साम्राज्य के बारे में बात कर रहे हैं, जो उन सभी से आगे निकल जाएगा, यहां तक कि उन सभी को नष्ट भी कर देगा, और फिर हमेशा के लिए बना रहेगा। इस अध्याय के कालक्रम में, हम वास्तव में इसका समर्थन कर रहे हैं। इसलिए हमारी समयरेखा के अनुसार, हमने यहोयाकीम के तीसरे वर्ष में शुरुआत की, जो नबूकदनेस्सर के शासनकाल का आरंभ था।

तब हम नबूकदनेस्सर के राज्य के दूसरे वर्ष में थे। उन्होंने अध्याय तीन में एक मूर्ति बनाई, हम नहीं जानते कि कब। अध्याय चार नबूकदनेस्सर के करियर के अंत के करीब है।

अध्याय पाँच हमें 539 में बेबीलोन के पतन के बेलशेज़र में ले जाता है। अध्याय छह 539-ईश है, क्योंकि डेरियस द मेड राजा है, शायद अपने करियर के शुरुआती दिनों में। अध्याय सात, हम वापस जा रहे हैं।

अब हम बेलशस्सर के प्रथम वर्ष में हैं। डैनियल की पुस्तक में अध्याय सात वास्तव में महत्वपूर्ण है, वास्तव में लगभग वस्तुतः महत्वपूर्ण है। तो, आप इस चियास्टिक संरचना से परिचित हैं और डैनियल सात इसका हिस्सा कैसे है।

तो, यह अरामी है, और यह विषयगत रूप से अध्याय दो से जुड़ा हुआ है, एक तरह से इस पूरी चीज़ को एक साथ रखता है। लेकिन डैनियल सात भी शैली में एक बदलाव है। इसलिए, हम यहां आख्यान से हटकर उन कहानियों से हट रहे हैं, जिन्हें हम छह अध्यायों से देख रहे हैं, और अब अध्याय सात से शुरू करते हुए, हम सर्वनाश संबंधी दृश्यों को देखने जा रहे हैं।

तो, डैनियल सात ने पुस्तक के पहले भाग को एक साथ रखा है, लेकिन यह वास्तव में अपनी शैली में दूसरे भाग से जुड़ा हुआ है। और यह वास्तव में एक दृष्टि प्रस्तुत करता है जिसे अन्य दृष्टियाँ भर देंगी और कुछ विवरण भर देंगी। तो, वास्तव में यह वही है जिसे मैं पुस्तक का हृदय और आधार मानता हूँ।

तो, दानियेल सात में, हम परमेश्वर के राज्य का यह लौकिक दृश्य देखेंगे। और इस दृश्य के मध्य में, हमें सिंहासन कक्ष का यह आश्चर्यजनक दृश्य दिखाई देता है। और इस सिंहासन कक्ष को देखने के साथ-साथ, हम देखते हैं कि मनुष्य के पुत्र जैसा कोई व्यक्ति राज्य प्राप्त करता है, और संत इस शाश्वत राज्य पर हमेशा के लिए शासन करेंगे।

यह शानदार तस्वीर है, उत्पीड़ित लोगों के लिए यह प्रोत्साहन है कि आगे एक इनाम है, कि यह शानदार विरासत उनकी होने वाली है। एक बार जब हम अध्याय सात से बाहर निकल जाते हैं, तो प्रोत्साहन बहुत कम हो जाता है। यह अध्याय सात जितना गौरवशाली नहीं है।

अध्याय सात प्रोत्साहन की दृष्टि से अद्भुत है। और यदि आप वह प्रोत्साहन लेते हैं, तो यह आपको शेष पुस्तक तक पहुँचा सकता है। आप इस शाश्वत प्रतिफल, संतों की इस विरासत, ईश्वर के इस गौरवशाली साम्राज्य की लंबी दृष्टि बनाए रखें।

तो, पुस्तक में अध्याय सात बहुत शानदार और बहुत महत्वपूर्ण है। यह वास्तव में वह अध्याय है जो लोगों को पुस्तक को सुव्यवस्थित रूप से विभाजित करने से रोकता है। आप इसे शैली के आधार पर विभाजित करने का प्रयास कर सकते हैं, लेकिन अध्याय सात आपको भाषा से जोड़ता है।

यदि आप इसे भाषा के आधार पर विभाजित करने का प्रयास करते हैं, तो अध्याय सात आपको सर्वनाश से वापस जोड़ देगा। इसलिए आप पुस्तक को अलग नहीं कर सकते। अध्याय सात इसे एक साथ रखता है।

और मुझे लगता है कि यह उस दृष्टि को देखते हुए उचित है जिसे यह चित्रित करता है और जो आशा और प्रोत्साहन देता है। तो, आइए इस बारे में थोड़ी बात करें कि यह किस तरह का साहित्य है। अध्याय सात सर्वनाशकारी साहित्य है।

सर्वनाशकारी साहित्य वास्तव में एक बड़े समूह या साहित्य के एक बड़े प्रकार का हिस्सा है जिसे दूरदर्शी साहित्य कहा जाता है। दूरदर्शी साहित्य में, आपके पास एक प्रकार का लेखन होता है जिसमें लेखक या लेखक लेखन के समय चीजों को देखता है और उन चीजों को चित्रित करता है जो उनकी कल्पना में मौजूद हैं या जो वे देख रहे हैं लेकिन अभी तक अनुभवजन्य वास्तविकता में नहीं हैं। यह परिभाषा काफी हद तक लेलैंड राइकेन से आती है।

बाइबल को साहित्य के रूप में कैसे पढ़ा जाए और उससे अधिक लाभ कैसे उठाया जाए, इस पर उनके पास एक बेहतरीन किताब है। इसलिए, इस दूरदर्शी साहित्य और इसे कैसे अपनाया जाए, इस बारे में मेरे बहुत सारे विचार उनके संसाधन से आते हैं। इसलिए, हो सकता है कि दर्शन स्वयं ऐसी चीजों को दर्शाते हों जो सचमुच घटित होंगी, लेकिन वे इसे प्रतीकात्मक रूप से करते हैं।

इसलिए भले ही वे उन चीजों को चित्रित कर रहे हैं जो वास्तव में घटित हो सकती हैं, आपको यह पता लगाने के लिए प्रतीकवाद को सुलझाना होगा कि वे चीजें क्या हैं। इसलिए, वे शाब्दिक घटनाओं का चित्रण कर सकते हैं, लेकिन प्रतीकात्मक विवरण आवश्यक रूप से उन घटनाओं का शाब्दिक प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। तो, दूरदर्शी साहित्य की इस छतरी के नीचे, यदि आप इस तरह से सोचना चाहते हैं, तो हमारे पास भविष्यसूचक साहित्य है, या सिर्फ भविष्यवाणी है, मैं कहूंगा, और हमारे पास सर्वनाश है।

वे चीजें साझा करते हैं, लेकिन वे समान नहीं हैं। वे बस विनिमेय नहीं हैं। हम एक सेकंड में इनमें से कुछ अंतरों पर वापस आएं।

दूरदर्शी साहित्य लेखक के विशेष उद्देश्य के आधार पर कई अलग-अलग तरह के संदेश प्रदान करता है। यह अक्सर उत्पीड़ित लोगों को प्रोत्साहन देता है, या यह उत्पीड़क को चेतावनी दे सकता है कि सज़ा आने वाली है। तो यह या तो उत्पीड़ितों से बात कर सकता है, उत्पीड़क को चेतावनी दे सकता है, या, इन सबके बीच, उन लोगों को विश्वास में बुला सकता है जो ईश्वर की सच्चाई और मानवीय बुद्धि के बीच झूल रहे हों।

जब हम सर्वनाशकारी साहित्य के बारे में बात करते हैं, तो मेरे लिए यह कहना आसान है कि कुछ सामान्य विशेषताएँ हैं जो हमें इसे देखने पर पहचानने में मदद करती हैं। और ये चीजें जिनके बारे में मैं बात करने जा रहा हूँ, ज़रूरी नहीं कि ये सभी किसी एक साहित्य में मौजूद हों। विद्वान प्रतीकों के समूह, विशेषताओं के समूह की तलाश करते हैं।

तो, इनमें से कई विशेषताएँ साहित्य के एक अंश में स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। तो, पहली बात, सबसे आसान बात, बहुत अधिक प्रतीकात्मकता है। संभवतः सर्वनाशकारी साहित्य के बारे में सबसे कठिन बात प्रतीकात्मकता से निपटने की कोशिश करना है।

इसके अलावा, इस तरह के साहित्य में दर्शन और दूसरी दुनिया की यात्राएँ बहुत आम हैं। तो, आपका द्रष्टा, आपका वह व्यक्ति जिसने दर्शन देखा है, किसी दूसरी दुनिया की यात्रा पर हो सकता है। और उनके पास अक्सर एक अलौकिक या देवदूत दुभाषिया होगा जो उन्हें उन चीजों को समझने में मदद करेगा जो वे देख रहे हैं।

और अक्सर, दूरदर्शी, द्रष्टा, दूर के अतीत का कोई प्रसिद्ध, सम्मानित व्यक्ति होता है, जैसे अब्राहम या हनोक या कुलपिताओं में से कोई। और वह नाम उस व्यक्ति द्वारा लिया जाएगा जिसे देखा गया है, और वे उस नाम के रूप में उसका उपयोग करेंगे जिसके तहत वे लिखते हैं। इसलिए यह छद्म नाम है।

क्या मैंने सही कहा? मुझे ऐसा लगता है। यह एक गुमनाम लेखक है। वे एक अलग नाम लेते हैं, एक नकली नाम, ऐसा कहें तो, और इसे उस दृष्टि पर लागू करते हैं जो वे देख रहे हैं।

ऐसा करने का कारण यह है कि वे भले ही कोई नहीं हों, लेकिन वे इस नाम का उपयोग कर रहे हैं जिसका लोग सम्मान करते हैं और एक परंपरा जिसका सम्मान उस नाम के साथ किया जाता है ताकि वे अपने दर्शन को संप्रेषित कर सकें। वृत्तांतों में अक्सर धर्मी लोगों का उत्पीड़न, ब्रह्मांडीय विनाश, अंतिम निर्णय, दुनिया का विनाश और फिर अक्सर एक पुनर्निर्माण शामिल होगा। हम इन दो प्रकार के साहित्य के बीच अंतर कैसे बता सकते हैं? ऐसी कई चीजें हैं जो एक की विशेषता हैं और दूसरी की नहीं।

तो, भविष्यवाणी में, कुछ हम अक्सर देखते हैं वह कथन है, इस प्रकार भगवान कहते हैं, या इस प्रकार भगवान कहते हैं, और फिर भविष्यवक्ता वही कहता है जो भगवान ने उसे कहने के लिए कहा है। आप वास्तव में सर्वनाशकारी साहित्य में इतना कुछ नहीं देखते हैं। आप जो देखते या सुनते हैं वह रहस्योद्घाटन है जो दर्शन के माध्यम से दिया गया है।

तो, आपको बस दृष्टि प्राप्त होती है। प्रभु कहते हैं, आपके पास इसकी प्रस्तावना इस प्रकार नहीं है। यह एक विजन रिपोर्ट है।

भविष्यवाणी में, वे अक्सर वास्तविक समय में, वास्तविक लोगों के साथ उनके वास्तविक समय में जुड़े रहेंगे। तो, जब यशायाह, वास्तविक व्यक्ति, जीवित था तब यशायाह लोगों को भविष्यवाणी कर रहा था। सर्वनाशकारी साहित्य में, जैसा कि मैंने अभी कहा, कभी-कभी वे अतीत के सम्मानित लोगों के नामों का सहारा लेंगे।

तो, यह उनके वर्तमान समय में एक वास्तविक व्यक्ति नहीं है। सर्वनाशकारी साहित्य में यह आम बात है। भविष्यवाणी में, भविष्यवक्ता आम तौर पर अपनी तात्कालिक स्थिति के बारे में बात कर रहे होते हैं।

वे उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जिनका सामना उनके लोग उस समय कर रहे हैं, और वे भविष्य के लिए परमेश्वर के प्रोत्साहन के बारे में बात कर रहे हैं। वे जो कह रहे हैं उसकी भविष्य में पूर्ति भी हो सकती है, लेकिन वे उस मुद्दे को संबोधित कर रहे हैं जिसका सामना उनके लोग उस समय कर रहे हैं। सर्वनाशकारी साहित्य के साथ, कभी-कभी आपके पास एक ऐसा व्यक्ति होगा जो एक भविष्यवक्ता है, जो एक भविष्यवक्ता है।

आपके पास यह तथ्य के बाद की भविष्यवाणी है, जहाँ पूर्व-घटना भविष्यवाणी है। तो, भविष्यवक्ता, अतीत से यह नाम, इतिहास को इस तरह बता रहा है जैसे कि यह एक भविष्यवाणी

है। यह ऐसी चीजें हैं जो दर्शकों को शायद पहले से ही पता हैं, और फिर यह अतीत में भगवान के हाथ को देखकर लोगों को प्रोत्साहित करने के इरादे से भविष्य में थोड़ा सा प्रोजेक्ट करता है।

उस प्रोत्साहन के साथ, वे आशा कर सकते हैं और इस तथ्य पर भरोसा कर सकते हैं कि वह भविष्य में भी काम करना जारी रखेगा। फिर से, सर्वनाश में प्रतीकवाद बहुत व्यापक है। भविष्यवाणी में प्रतीकवाद का उपयोग होता है, लेकिन लगभग उसी हद तक नहीं।

एक और काफी महत्वपूर्ण अंतर यह है कि भविष्यवाणी में, यह जागरूकता है कि दुनिया इस बिंदु पर भगवान के आदर्श को पूरा नहीं करती है। यह त्रुटिपूर्ण है। यह टूटा हुआ है।

यह पाप है। लेकिन वह अंततः इसे बदलने जा रहा है। वह चीजों को नया बनाने जा रहा है।

वह इसे ठीक करने जा रहा है। सर्वनाशकारी साहित्य के लिए, चीजें इतनी खराब हैं कि केवल स्लेट को साफ करना और पूरी तरह से शुरू करना ही एकमात्र तरीका है। ब्रह्मांडीय तबाही ही इसे ठीक करने का एकमात्र तरीका है।

सर्वनाश साहित्य और भविष्यवाणी के बारे में आखिरी बात जो मैं उजागर करना चाहता हूँ वह यह है कि भविष्यवाणी का एक प्राथमिक लक्ष्य लोगों को पश्चाताप करने के लिए बुलाना था। तो, आप पाप कर रहे हैं। पश्चाताप करें।

यदि आप पश्चाताप करते हैं, तो निर्णय टल सकता है। यदि आप पश्चाताप नहीं करने जा रहे हैं, तो निर्णय आ रहा है। लेकिन फैसले के बाद, बहाली होती है।

यह पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं में बार-बार दोहराया जाने वाला विषय है। सर्वनाशी का दृष्टिकोण अधिक नियतिवादी होता है। तो, हम इसे डैनियल में भी देखेंगे, जहां आपने इतिहास में समय की निश्चित अवधि निर्धारित की है।

यह लगभग नियतिवाद है, और इसी तरह से भगवान ने चीजों को निर्धारित किया है। और हम लगभग आखिरी पायदान पर हैं। तो, भगवान बस लौकिक रूप से कार्य करने और चीजों को ठीक करने वाले हैं।

तो ठीक है, मुझे लगता है कि सर्वनाशकारी साहित्य पर इतना ही काफी है। चलिए अध्याय 7 पर चलते हैं। ठीक है, मैं कालीफायर से शुरुआत करता हूँ। इसलिए, जब लोग दानियेल 7 पढ़ते हैं, तो अक्सर चार जानवरों द्वारा दर्शाए गए चार राज्यों की पहचान में बहुत रुचि व्यक्त की जाती है।

अध्याय 2 के साथ भी ऐसा ही है। और जब हम अध्याय 2 में थे, तब मैंने कहा था कि मैं अध्याय 7 में बहुत कुछ टालने जा रहा हूँ, जो मैं कर रहा हूँ। लेकिन आज, इस विशेष व्याख्यान में, मैं इसे एक और व्याख्यान तक टालने जा रहा हूँ। और मैं 7 और 8 को मिलाकर उन तीनों अध्यायों, 2, 7 और 8 के बारे में एक साथ बात करने जा रहा हूँ।

तो, हम वहाँ पहुँचेंगे। लेकिन जिस बात की मुझे सबसे ज़्यादा परवाह है, कम से कम इस व्याख्यान में, वह है कि अध्याय और पाठ किस बारे में परवाह करते हैं। और पाठ जिस बात की परवाह करता है, वह राज्यों की पहचान नहीं है।

पाठ में जिस बात की परवाह की गई है, वह बहुत अलग है। इसमें अलग-अलग बातों पर जोर दिया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमें उनकी बिल्कुल भी परवाह नहीं करनी चाहिए।

मैं उनकी परवाह करता हूँ। जब आप अनुवाद कर रहे होते हैं तो यह मददगार होता है। लेकिन इस अध्याय का जोर इस पर नहीं है।

तो, हम पाठ से ही शुरुआत करेंगे। हम उन चीजों को देखने जा रहे हैं जिन पर यह जोर देता है। उसके बाद एक-दो व्याख्यानों में हम फिर से साम्राज्यों की पहचान के बारे में बात करेंगे।

एक और व्याख्यात्मक नोट: मैंने इस अध्याय की अपनी रूपरेखा को कई टिप्पणियों की तुलना में थोड़ा अलग ढंग से व्यवस्थित किया है। मैंने इसे एक लेख के आधार पर संरचित किया है जिसमें एक नए नियम के विद्वान ने प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का विश्लेषण किया है, जो स्पष्ट रूप से सर्वनाशकारी है।

और उन्होंने इसे कुछ प्रमुख साहित्यिक विशेषताओं के अनुसार संरचित किया जिन्हें उन्होंने पहचाना। इसलिए, मैं डैनियल की पुस्तक की संरचना में भी मदद करने के लिए उसकी कुछ भाषा का उपयोग करने जा रहा हूँ। और उस भाषा में से कुछ, जिन चीजों के बारे में मैं बात करूँगा उनमें से एक स्पेस-टाइम संदर्भ है।

तो, हम सुनेंगे कि कब और कहाँ कुछ हो रहा है। हमारे पास सूत्रबद्ध कथनों की एक श्रृंखला भी होगी जो वास्तव में दृष्टि की संरचना को व्यवस्थित करने में हमारी मदद करती है। तो, जैसे कि, देखो, या मैंने देखा, या मैं देख रहा था, और मैंने देखा।

इन दर्शनों में से कई ऐसे हैं जिनका उपयोग मैं अपनी रूपरेखा को व्यवस्थित करने के लिए करूँगा। एक वाक्यांश जिससे मैं आपको परिचित कराना चाहता हूँ वह है विज्ञान ब्लॉक। तो, अध्याय सात एक विज्ञान है, लेकिन इसे तीन विज्ञान ब्लॉकों में विभाजित किया गया है, तीन बड़े हिस्से जो प्रत्येक एक बहुत ही समान वाक्यांश द्वारा पेश किए गए हैं।

इन प्रमुख खंडों के भीतर, कई छोटे खंड हैं। इसलिए, दृष्टि तत्व, उन्हें एक व्यक्तिगत दृष्टि कहा जा सकता है। इसलिए, मेरे पास तीन प्रमुख खंड, तीन दृष्टि खंड हैं।

उनमें से प्रत्येक के भीतर कई दूरदर्शी तत्व या व्यक्तिगत दृष्टिकोण हैं। और फिर, यह पाठ की संरचना और उसमें मौजूद साहित्यिक विशेषताओं पर आधारित है। तो, मेरे तीन खंड, आपको यह पता लगाने में मदद करने के लिए कि हम कहाँ जा रहे हैं, यदि संदर्भ सही है, एक से छह तक।

यह श्लोक एक से छः तक है। और फिर श्लोक सात से बारह तक। और फिर अंतिम जो भी हो, तेरह तक।

अट्टाईस। इनमें से प्रत्येक एक काफी लंबे परिचयात्मक वक्तव्य के साथ शुरू होता है, जो एक ही है। वह कथन यह है कि, मैं रात में अपने सपने देख रहा था, और तब आपको दूरदर्शी ब्लॉक मिलता है।

मैं रात में अपने सपने में देख रहा था, और फिर आपको ब्लॉक मिलता है। मैं रात में अपने सपने में देख रहा था, और आपको ब्लॉक मिल गया। ठीक है, इसलिए मैं उन्हें खंड दर खंड पढ़ूंगा, और हम प्रत्येक खंड को पढ़ेंगे।

तो, पहला दर्शन खंड आयत एक से छह तक, वही है जिसे मैंने तीन जानवरों का दर्शन कहा है। ठीक है, दानियेल 7, एक से छह। बेबीलोन के राजा बेलशस्सर के पहले वर्ष में, दानियेल ने अपने बिस्तर पर लेटे हुए एक स्वप्न और अपने सिर के दर्शन देखे।

फिर उसने स्वप्न को लिखकर उसका सारांश बताया। दानियेल ने कहा, "मैंने रात को अपने दर्शन में देखा कि चारों ओर से आकाश की हवाएँ महासागर को हिला रही हैं, और चार बड़े जन्तु समुद्र में से निकले, जो एक दूसरे से भिन्न थे। पहला जन्तु सिंह के समान था, और उसके पंख उकाब के से थे।

फिर मैंने देखा कि उसके पंख उखाड़ दिए गए और उसे ज़मीन से उठाकर मनुष्य की तरह दो पैरों पर खड़ा कर दिया गया और उसमें मनुष्य का दिमाग दे दिया गया। फिर मैंने देखा कि एक और जानवर था, दूसरा, भालू की तरह। वह एक तरफ़ से उठा हुआ था।

उसके मुँह में दाँतों के बीच तीन पसलियाँ थीं, और उससे कहा गया, उठ, बहुत मांस खा। इसके बाद मैं ने दृष्टि की, और क्या देखा, कि चीते के समान एक और प्राणी है, जिसकी पीठ पर पक्षी के समान चार पंख हैं। और जानवर के चार सिर थे, और उसे प्रभुत्व दिया गया था।" ठीक है, तो आपने शायद कई अलग-अलग दर्शन, कुछ मुख्य शब्द वहाँ सुने होंगे।

देखो, मैं ने दृष्टि करके देखा। पहला श्लोक दो में है। और वहाँ वह कहता है, पशु समुद्र से उग रहे हैं।

और फिर वह विशेष रूप से कहता है कि पहला जानवर शेर जैसा था। और दूसरा श्लोक चार था। और वह शेर का परिवर्तन देखता है।

और फिर अगला श्लोक पाँच है, और वह दूसरा जानवर है, जो एक भालू जैसा प्राणी है। और अंतिम छः में से एक है, और वह तीसरा जानवर है, जो तेंदुए जैसा प्राणी है। लेकिन इसकी शुरुआत में श्लोक एक है, जो हमारा अंतरिक्ष-समय संदर्भ है।

यह हमें समय और स्थान देता है, और हम कहाँ हैं? सबसे पहले, ध्यान दें कि हम एक तीसरे व्यक्ति के कथावाचक हैं जो अभी बात कर रहे हैं, है ना? डैनियल ने एक सपना देखा. तो, बेबीलोन के राजा बेलशस्सर के पहले वर्ष में। तो, हम कालक्रम में पीछे चले गए हैं।

हमारे यहाँ एक अव्यवस्थित कालक्रम है। इसका शाब्दिक वर्ष, यदि हम इसे शाब्दिक रूप से लें, और मुझे यकीन नहीं है कि इसका शाब्दिक अर्थ है, 553 ईसा पूर्व है। वह बेलशस्सर का पहला वर्ष है।

यदि इसका मतलब शासनकाल के आरंभ या शुरुआत जैसा कुछ और है, तो ठीक है, हम अभी भी शायद 553 के करीब हैं। वैसे, इन तिथि सूत्रों और अंतरिक्ष-समय संदर्भों का होना वास्तव में दर्शन में आम है। केवल पाठक को उस ओर उन्मुख करने के लिए जहां द्रष्टा है। और डैनियल में, ये तिथि सूत्र भी दर्शन को कथा अध्यायों से जोड़ते हैं।

इसलिए, वे उन्हें उस कालक्रम में आधार देते हैं जिससे आप पहले से ही परिचित हैं। ये दृश्य सिर्फ किताब के किसी अलग हिस्से के रूप में नहीं हैं। वे उन कहानियों और पात्रों से जुड़े हैं जिनसे आप पहले ही मिल चुके हैं।

और इस मामले में, यह बेलशस्सर है। यह दर्शन और अध्याय 8 में अगला दर्शन दोनों ही बेलशस्सर के शासनकाल के हैं। और मैंने यह सोचने में बहुत समय बिताया है कि ऐसा क्यों है।

हमें इस बात की परवाह क्यों है कि यह बेलशस्सर के शासनकाल में है? उसे ये दर्शन अब क्यों मिले और सेंट नबूकदनेस्सर के शासनकाल में क्यों नहीं? वैसे भी कथावाचक हमें यह बताने की जहमत क्यों नहीं उठाता? मुझे लगता है कि इसका एक कारण यह है कि बेलशस्सर इस विद्रोही, ईशनिंदा करने वाले राजा की पहली झलक है। और जब हम अध्याय 5 में थे, तो मैंने आपको सुझाव दिया था कि वह आने वाले इन और भी बुरे राजाओं का एक प्रोटोटाइप है। दानियेल 7 में, हमें आने वाले उन बुरे राजाओं में से एक का दर्शन मिलता है।

इसलिए, मुझे लगता है कि यहाँ बेलशस्सर की याद को ताज़ा करके, हम लगभग यह अशुभ भावना पैदा कर रहे हैं कि, ओह, बेलशस्सर, बेलशस्सर के शासनकाल में कुछ भी अच्छा नहीं हो सकता। हम जानते हैं कि वह कैसा था। वह घमंडी था।

उसने भगवान की ओर मुट्ठी हिलाई। और यही वे बातें हैं जिन्हें ये दर्शन विस्तृत रूप में दिखाने जा रहे हैं। अर्नेस्ट लुकास, जिन्होंने अपोलोस कमेंट्री लिखी थी, जो मैंने दूसरे दिन यहाँ पढ़ी थी, बेलशस्सर को दानियेल के दर्शन में दिखाई देने वाले राजाओं की एक फीकी पूर्वसूचना कहते हैं।

और मुझे लगता है कि यह सोचने का एक मददगार तरीका है। ठीक है, तो पद 2 में इस पहले व्यक्तिगत दर्शन में, वह चार जानवरों को समुद्र से बाहर निकलते हुए देखता है, एक अशांत समुद्र से बाहर निकलते हुए। और स्वर्ग की हवाएँ महान समुद्र को हिला रही थीं।

चार का मतलब शाब्दिक हो सकता है। यह पूरी तरह से संभव है। और वह चार शाब्दिक जानवरों का वर्णन करता है, है न? लेकिन यह समग्रता का भाव भी हो सकता है, जैसा कि चार हवाओं के साथ होता है।

तो, वह कहता है कि चार हवाएँ महान समुद्र को हिला रही हैं। खैर, चार हवाएँ? उसका मतलब है कि हर दिशा से हवा घूम रही है और समुद्र को हिला रही है। तो वह चार जानवरों को देखता है, लेकिन जब हम व्याख्या करते हैं, तो मुझे लगता है कि उन जानवरों का ऐतिहासिक संदर्भ है, लेकिन मुझे लगता है कि और भी हो सकते हैं, और यह एक समग्रता है।

बाइबिल में महान सागर को आम तौर पर भूमध्य सागर के रूप में समझा जाता है। मुझे लगता है कि यहाँ इसका मतलब संभवतः महान पौराणिक समुद्र से है। यह आदिम अराजकता है, यह अव्यवस्था है जिसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

यह सृष्टि के क्रम के लिए खतरा है, और प्राचीन पौराणिक कथाओं में केवल देवताओं की शक्ति ही समुद्र को नियंत्रित कर सकती है। हमें उत्पत्ति 1 में इसके संकेत मिलते हैं, जहाँ परमेश्वर की आत्मा जल के ऊपर मंडरा रही है। अध्याय 1 में परमेश्वर इस अराजकता में व्यवस्था लाता है; इस अराजकता के जलीय झमेले में, वह व्यवस्था लाता है।

अन्य प्राचीन निकट पूर्वी संस्कृतियों में उनके लिए अपनी स्वयं की सृजन कथाएँ और सृजन मिथक हैं, और वे आम तौर पर इस अराजक आदिम समुद्र को शामिल करते हैं। इसलिए, एनुमा एलीश में, जो कि बेबीलोन का मिथक है, हमारे पास देवता मर्दुक है, जो समुद्र देवी तियामत के खिलाफ लड़ता है, और वह देवताओं के शासन और देवताओं पर राजत्व के लिए लड़ रहा है। सृजन के उगारिटिक मिथक में, उनके पास एक बादल पर सवार देवता है जिसका नाम बेल है, और बेल समुद्र देवता को हरा देता है, और समुद्र देवता को हराकर, वह देवताओं पर राजत्व का अधिकार अर्जित करता है।

मैं आपको बता सकता हूँ कि प्राचीन पूर्वी सोच में, यह विशाल आदिम समुद्र अशुभ संकेत है। यह अशुभ है। आदिम समुद्र वाले दृश्य से कुछ भी अच्छा नहीं निकल सकता।

और मुझे लगता है कि यह डैनियल के दर्शन में भी सच है। जब वह इस अशांत समुद्र को देखता है, तो यह अशुभ होता है। और फिर समुद्र से जो निकलता है वह भी बहुत आरामदायक नहीं होता।

चार जानवर दिखाई देते हैं, और वह तीन का वर्णन करता है। पहले तीन को वह किसी और चीज़ की तरह बताता है। इसलिए, यह वास्तव में शेर नहीं है जिसे वह देखता है। यह वास्तव में भालू नहीं है।

यह वास्तव में तेंदुआ नहीं है। यह शेर जैसा, भालू जैसा, चरवाहे जैसा या, माफ कीजिए, तेंदुआ जैसा कुछ है। फिर भी, उनमें से प्रत्येक में ऐसी विशेषताएं हैं जो स्पष्ट रूप से उन्हें शेर जैसा, भालू जैसा और तेंदुआ जैसा नहीं बनाती हैं।

शेर के पंख चील जैसे हैं। भालू थोड़ा झुका हुआ है। हमें ठीक से समझ नहीं आ रहा है कि भाषा में इसका क्या मतलब है कि यह एक तरफ़ उठा हुआ है।

इसके मुँह से पसलियाँ लटक रही हैं और यह म्यूटेंट जैसा दिखता है। तेंदुए के चार सिर होते हैं। खैर, यह कोई सामान्य तेंदुआ नहीं है।

और इसके पंख हैं। तो यही वह है जो वह अपने पहले दर्शन में देखता है। फिर, दर्शन की दूसरी श्रृंखला में, मैं यहाँ रहूँगा।

ठीक है, मैंने अभी-अभी इस पर चर्चा की है। इसे कवर करने के लिए बहुत सारी बातें करनी होंगी। श्लोक 4 इस पहले जानवर के परिवर्तन को दर्शाता है।

यह शेर जैसे प्राणी से बदलकर एक ऐसे प्राणी में बदल गया है जो वास्तव में जानवर से ज़्यादा इंसान है। चारों पैरों पर खड़े होने की बजाय यह दो पैरों पर खड़ा है। इसमें इंसान जैसा दिल है।

और आपको इसका वर्णन करने के लिए यह निष्क्रिय क्रिया भाषा मिलती है। इसके पंख नोच लिए गए। जीव को ऊपर उठा लिया गया।

उसे पैरों पर खड़ा कर दिया गया। उसे एक मानव हृदय दिया गया। ऐसा लगता है जैसे इस प्राणी का इनमें से किसी भी चीज़ पर कोई नियंत्रण नहीं है।

उनके साथ ऐसा किया जा रहा है, जिससे जानवर अंततः जानवर से ज़्यादा इंसान बन जाता है। भालू, जैसा कि मैंने कहा, एक भालू जैसा प्राणी एक तरफ़ उठा हुआ है। शायद वह झपटने के लिए तैयार है।

ऐसा कुछ लोग सोचते हैं। इसके मुँह की पसलियाँ इस तथ्य का प्रतिनिधित्व कर सकती हैं कि इसने हाल ही में कुछ प्राणियों का वध किया है और हाल के कारनामे किए हैं। इसने अभी तक खाना खत्म नहीं किया है।

इस जानवर को कार्य करने की अनुमति दी गई है। मेरे कहने का मतलब यह है कि इस पर भी कोई बाहरी ताकत काम कर रही है। यह कहता है, एक और जानवर उठाया गया था।

इसकी तीन पसलियाँ थीं। और कहा गया, उठ, बहुत मांस खा। तो, इसे और अधिक खाने की अनुमति दी गई है।

चीता, चार सिर, चार पंख, और उसे प्रभुत्व दिया गया है। फिर से, एक निष्क्रिय क्रिया जो बताती है कि इस तेंदुए के साथ क्या होता है। ये सब मिलकर वाकई एक भयानक दृश्य है।

हमें अशांत समुद्र मिला है। हमें इसमें से ऐसे उत्परिवर्ती प्रकार के जीव उभरते हुए मिले हैं। और वह पहले विज़न ब्लॉक का अंत है। तो, हम अगले की ओर बढ़ेंगे। वह बहुत छोटा है।

दूसरा श्लोक 7 से 12 तक है।

और यह चौथा जानवर है। इसके बाद मैं ने रात को स्वप्न में देखा, वा मैं रात को स्वप्न में देख रहा था, और देखो, एक चौथा जन्तु भयानक, भयानक, और अति बलवन्त है।

उसके बड़े-बड़े लोहे के दाँत थे। वह निगल गया, टुकड़े-टुकड़े हो गया, और जो कुछ बचा, उसे अपने पैरों से कुचल डाला। वह अपने पहले के अन्य सभी जानवरों से भिन्न था, और उसके दस सींग थे।

मैं ने सींगों पर ध्यान किया, और क्या देखा, कि उनके बीच में एक और छोटा सा सींग निकला, और उसके पहिले के सींगों में से तीन तो जड़ से उखड़ गए। और देखो, इस सींग में मनुष्य की आंखों के समान आंखें थीं, और बड़ी बड़ी बातें बोलने वाला एक मुँह था। जैसे ही मैंने देखा, सिंहासन रखे गए थे, और प्राचीनतम ने अपना स्थान ग्रहण किया।

उसका वस्त्र हिम के समान श्वेत था, और उसके सिर के बाल शुद्ध ऊन के समान थे। उसका सिंहासन प्रचंड लपटों वाला था, उसके पहियों से आग जल रही थी। आग की एक धारा निकली और उसके सामने से निकली।

हज़ारों हज़ार उसकी सेवा करते थे, और दस हज़ार गुणा दस हज़ार उसके सामने खड़े होते थे। अदालतें फैसले के लिए बैठीं और किताबें खुली रहीं। और मैं ने उस नरसिंगे के बड़े बड़े शब्दों के शब्द के कारण दृष्टि की, और जैसे ही मैंने देखा, वह पशु मार डाला गया, और उसका शरीर नष्ट कर दिया गया, और आग में जला दिया गया।

बाकी जानवरों का प्रभुत्व छीन लिया गया, लेकिन उनका जीवन एक ऋतु और समय तक बढ़ा दिया गया। तो आइए मैं इस ब्लॉक में मौजूद हमारे दृष्टिकोणों की पहचान करूँ। उनमें से पाँच हैं।

श्लोक 7 में, हमारे पास चौथे जानवर का दर्शन है, या दूसरों से भिन्न जानवर, इसे कहा जाता है। श्लोक 8 के पहले भाग, श्लोक 8 में, हमारे पास एक छोटा सा सींग है। श्लोक 8 के दूसरे भाग में, हमें एक और कथन मिलता है, इसलिए एक और व्यक्तिगत दृष्टि।

यह छोटे सींग की आंखें और मुँह है। और फिर अंतिम व्यक्ति, ओह, दो और व्यक्ति, मैं गिन नहीं सकता। दिव्य सिंहासन कक्ष संख्या 4 है, और वह छंद 9 और 10 है, और फिर 11 और 12 चार जानवरों का भाग्य है।

तो, इनमें से प्रत्येक व्यक्तिगत दृष्टि की प्रस्तावना, मैंने देखा, या और देखता हूँ, दृष्टि के कुछ कथन से है। तो, इस अनुभाग में क्या चल रहा है? इस चौथे प्राणी की तुलना किसी अन्य प्राणी से नहीं की जा सकती। पहले तीन जानवरों की तुलना उन चीज़ों से की गई जिन्हें डैनियल ने पहचाना था।

यह शेर जैसा है, भालू जैसा है, तेंदुए जैसा है। यह किसी भी अन्य चीज़ से भिन्न है। वह स्पष्ट रूप से कहता है, ठीक है, वह इसे स्पष्ट रूप से नहीं कहता है।

वह कहता है कि यह अन्य सभी जानवरों से अलग है, लेकिन वह इसके बारे में केवल इतना कहता है कि यह भयानक और खौफनाक और अत्यधिक शक्तिशाली है। जाहिरा तौर पर, उसके विचारों के संग्रह में ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे वह इस जानवर की तुलना कर सके। यह जानवर उसे भयानक भय और आतंक से भर देता है।

यह बहुत मजबूत है। यह भाषा, यहाँ हमारी चिआस्टिक संरचना को देखते हुए, हमारी मदद कर सकती है। ओह, याद रखें कि हमारे पास नबूकदनेस्सर की मूर्ति में कुछ ऐसा था जो बहुत मजबूत था, और वह चौथा राज्य था।

लोहे के पैर लोहे की तरह ही मजबूत थे, जाहिर है। और यहाँ हमारे पास लोहे के दाँतों वाला एक जानवर है। श्लोक 7 कहता है कि यह जानवर अलग है, और यह न केवल दिखने के तरीके के कारण बल्कि जो कुछ भी करता है, या यहाँ तक कि यह कुछ भी करता है, उसके कारण भी अलग लगता है।

ये सभी जानवर, इनमें से कोई भी कुछ नहीं करता। इन सभी के साथ कुछ न कुछ किया जाता है। यह चौथा जानवर कुछ न कुछ कर रहा है, और वे अच्छे काम नहीं हैं।

यह रौंदता है, कुचलता है, खा जाता है और चीजों को तोड़ता है। और इसके दस सींग हैं। पुराने नियम में सींग शक्ति के प्रतीक हैं, और इसलिए इस जानवर के दस सींग हैं।

खैर, एक सामान्य जानवर के दो सींग होंगे। तो, तथ्य यह है कि इस जानवर के दस सींग हैं, जो एक सामान्य जानवर की तुलना में पांच गुना अधिक है, यह बताता है कि इसमें वास्तव में असाधारण शक्ति है। फिर उसे एक छोटा सा सींग दिखाई देता है, जो उसकी अगली व्यक्तिगत दृष्टि है।

दस सींगों के बीच एक छोटा सींग निकलता है। तो, यह ग्यारहवाँ सींग है। यह एक छोटी सी दृष्टि है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह छोटा सींग वास्तव में यहाँ से दृष्टि पर हावी होने वाला है।

यह चौथा जानवर लगभग पृष्ठभूमि में लुप्त हो जाता है, और दृष्टि वास्तव में इस छोटे सींग से संबंधित है। ऊपर आने की प्रक्रिया में यह तीन सींग उखाड़ देता है। और इससे भी अधिक, डैनियल कहते हैं, मैंने इस छोटे सींग पर आँखें और एक मुँह देखा।

और यह मुँह घमंड भरी बातें या बड़ी-बड़ी बातें बोल रहा था। यह हमें नहीं बताता कि वे बड़ी-बड़ी बातें क्या थीं, लेकिन अक्सर पुराने नियम में, आँखों और वाणी के बारे में आयतें हमें बताती हैं कि वे चरित्र को दर्शाती हैं। इसलिए हो सकता है कि इस छोटे सींग का वर्णन जिसमें मानवीय आँखें और एक ऐसा मुँह है जो बंद नहीं होता, उसके अहंकार का संकेत दे रहा हो, जो बाद में स्पष्ट हो जाएगा।

इस छोटे सींग की विशेषता अहंकार, असम्मान और दुष्टता होगी। फिर पद 9 में दानियेल को एक और व्यक्तिगत दर्शन होता है, और वह एक सिंहासन कक्ष देखता है। वह देखता है, और वह सिंहासन रखे जाते हुए और प्राचीन को अपना आसन लेते हुए देखता है।

यह हमें यह नहीं बताता कि यह सिंहासन कक्ष कहाँ है। हम स्वाभाविक रूप से सोच सकते हैं कि यह स्वर्ग में होना चाहिए। यह संभव है कि यह पृथ्वी पर हो।

यह सिर्फ इस पर निर्भर करता है कि आप संदर्भ की व्याख्या कैसे करना चाहते हैं। लेकिन हम शायद यहाँ जो देख रहे हैं वह दैवीय परिषद का एक दर्शन है। अब, यह आपके लिए एक परिचित अवधारणा नहीं हो सकती है, इसलिए मुझे दिव्य परिषद सत्य पर एक छोटा सा क्लेश कोर्स करने दीजिए।

यह एक लम्बा खण्ड है। यह मूल रूप से अध्याय 11 का पूरा हिस्सा है, पहली कविता और अध्याय 12 के पहले चार छंदों को छोड़कर। वास्तव में पाठ पर पहुँचने से पहले मैं इसका अपना छोटा सा परिचय देने जा रहा हूँ, और हम इस पर अधिक विस्तार से विचार करेंगे। छोटे टुकड़े।

इसलिए, जैसा कि देवदूत ने यह रहस्योद्घाटन किया है, मूल रूप से भविष्यसूचक चिंता के पांच क्षेत्र या पांच विशिष्ट युग हैं जिन पर वह काम करने जा रहा है। वह फारस के बारे में बात करने जा रहा है। वह ग्रीस के बारे में बात करने जा रहा है, जिसे वह शक्तिशाली राजा या मजबूत राजा के रूप में संदर्भित करेगा।

वह मिस्र और सीरिया के बारे में बात करने जा रहा है, और खास तौर पर उन शब्दों के बारे में जिन्हें हम यहाँ पहचान सकते हैं। ये टॉलेमी और सेल्यूसिड्स हैं। वह एंटीओकस IV एपिफेन्स के बारे में बात करने जा रहा है, जिसे सिर्फ घृणित व्यक्ति कहा जाएगा, या एक संस्करण उसे घृणित व्यक्ति कहता है।

और फिर एक ऐसा खंड है जिसमें राजा के बारे में बहुत बहस और चर्चा की गई है जो खुद को ऊंचा उठाता है। और जब हम उस खंड पर पहुँचते हैं, तो यह 1136 से शुरू होता है। यह विशेष रूप से कठिन हो जाता है क्योंकि हम इस बिंदु तक ऐतिहासिक घटनाओं पर नज़र रख रहे हैं, और फिर यह बदल जाता है और अचानक हमें इतिहास में लागू होने वाले संदर्भ नहीं मिलते हैं।

तो, इसे समझने के दो तरीके हैं। या तो दानियेल या भविष्यवक्ता ने इसे गलत समझा, या फिर हम सिर्फ एंटीओकस एपिफेन्स के बारे में बात करने से आगे बढ़कर भविष्य में मसीह विरोधी के बारे में बात करने लगे हैं। मैं इस खंड में जाने से पहले, पूर्व-घटना भविष्यवाणी के मुद्दे पर फिर से विचार करना चाहता हूँ, क्योंकि जब हम पद 36 पर पहुँचेंगे तो यह एक मुद्दा बन जाएगा।

तो, हमने इस बारे में पाठ्यक्रम में बहुत पहले बात की थी, लेकिन मुझे डर है कि मैंने शायद आपको कुछ स्पष्ट करने की बजाय अधिक भ्रमित कर दिया है, और यह इतना समय पहले हो चुका है कि आप निस्संदेह इसे भूल गए होंगे। तो मुझे फिर से कोशिश करने दें। तो पूर्व-घटना भविष्यवाणी, या घटना के बाद, भविष्यवाणी, सर्वनाश साहित्य की शैली में जानी जाती है।

मुझे नहीं लगता कि कोई भी व्यक्ति इस बात से इनकार करता है। बहुत से इंजील विद्वानों के लिए यह सवाल है कि क्या यह शैली है, क्या डैनियल की पुस्तक में सर्वनाश साहित्य का वह तत्व मौजूद है या नहीं। लोगों के पास यह सोचने के लिए अलग-अलग कारण हैं कि यह नहीं है, लेकिन मैं उन सभी में जाने की कोशिश नहीं करूँगा।

घटना भविष्यवाणी के दृष्टिकोण रखते हैं ताकि मैं इसे सबसे अच्छे तरीके से समझा सकूँ।

पूर्व- घटना भविष्यवाणी में दावा किया गया है कि दूसरी शताब्दी का एक अज्ञात यहूदी है जो एंटीओकस के इस उत्पीड़न के दौरान फिलिस्तीन में रहता है। और इस भविष्यवाणी के लेखन के लिए वे जो विशिष्ट तिथि देंगे वह 167 है। इसलिए, 167 वह वर्ष है जब एंटीओकस IV एपिफेन्स द्वारा उत्पीड़न वास्तव में शुरू होता है।

यह तब होता है जब मंदिर को अपवित्र कर दिया जाता है, और चीजें वहां से नीचे की ओर चली जाती हैं। तो, हम इस भविष्यवक्ता को रखेंगे जिसका नाम हम डैनियल रख रहे हैं, भले ही इस दृष्टि से वह दूसरी शताब्दी का एक गुमनाम यहूदी है जिसने डैनियल का नाम अपनाया है। आप कहते हैं, अच्छा, वह ऐसा क्यों करेगा? खैर, यहां बताया गया है कि शैली कैसे काम करती है।

तो, वह वास्तव में उथल-पुथल भरे समय के बीच में है। उनके लोगों पर अत्याचार हो रहा है। वह जो लिखना चाहता है उसका एक उद्देश्य अपने लोगों को यह विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करना है कि मानव इतिहास के पाठ्यक्रम पर ईश्वर का नियंत्रण है।

और यदि आपको यह याद है, तो आप आश्चर्य हो सकते हैं कि भविष्य के इतिहास पर भी उसका नियंत्रण है। तो, उद्देश्य इस निर्धारित इतिहास पर भगवान का नियंत्रण दिखाना है। यह सब उसके हाथ में है।

यह उसी का हिस्सा है जिसे वे इसके साथ पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं। तो वह जो करता है वह वापस जाता है और निर्वासन के समय से इस अत्यधिक सम्मानित, आदरणीय चरित्र को चुनता है: असली डैनियल, ऐतिहासिक डैनियल। और वह ऐतिहासिक डैनियल उसका मुख बन जाता है, या वह डैनियल के नाम का उपयोग करते हुए मुखपत्र बनने जा रहा है।

तो, यह भविष्यवाणी डैनियल के नाम पर बोली जाती है, लेकिन यह दूसरी शताब्दी में यहां पर्यायवाची यहूदी द्वारा बोली जा रही है। और यह भविष्यवाणी जो डैनियल देता है वह यह है कि वह निश्चित रूप से, इस बिंदु तक समय के इतिहास का वर्णन करता है। तो, वह फ़ारसी साम्राज्य के बारे में बात करने जा रहा है।

वह यूनानी साम्राज्य के बारे में बात करने जा रहा है। जैसे ही वे दृश्य में आएं, वह सेल्यूसिड्स और टॉलेमीज़ के बारे में बात करने जा रहे हैं। और वह इन सभी भविष्यवाणियों को सच साबित करने जा रहा है।

क्यों? क्योंकि इस व्यक्ति के लिए जो वास्तव में इसे लिख रहा है, यह इतिहास है, है न? लेकिन वह इसे ऐसे लिख रहा है जैसे कि वह दानियेल है जो यहाँ नीचे रहकर इसकी भविष्यवाणी कर रहा

है, ठीक है? तो यह दानियेल है, असली दानियेल, जो कथित तौर पर बोल रहा है, लेकिन असली आवाज़ इस व्यक्ति की है। इसलिए वह सब कुछ सही बताता है। इस भविष्यवाणी के अध्याय 11 में, हमारे पास उल्लेखनीय विवरण हैं।

मेरा मतलब है, जब हम इसे पढ़ते हैं, तो यह एक रिक्त स्थान भरने जैसा है। आप इस भविष्यवाणी में ऐतिहासिक नाम डाल सकते हैं, और यह ऐसा है जैसे आप इतिहास की किताब पढ़ रहे हैं। यह वास्तव में बाइबल की किसी भी भविष्यवाणी से अलग है।

यह बस अजीब है। अब, यह सर्वनाश साहित्य और उस शैली के संदर्भ में अजीब नहीं है, लेकिन यह बाइबिल में अजीब है, ठीक है? तो इसका मतलब है कि हम निश्चित नहीं हैं कि इसके साथ क्या करना है। इसलिए, जब वह इतिहास के इस हिस्से में पहुँचता है, तो सभी विवरण, मेरा मतलब है, वह इस इतिहास को वास्तव में अच्छी तरह से जानता है।

सभी विवरण वहाँ हैं। यह दृष्टिकोण कहेगा कि यह पूरी शैली वास्तव में इस रहस्यमय व्यक्ति, डेरियस द मेडे का कारण है। यह एक साइड नोट है, ठीक है? इसका अध्याय 11 से कोई लेना-देना नहीं है।

तो, यह दृष्टिकोण क्या कहेगा क्योंकि यह पूर्व-घटना भविष्यवाणी है, यह वास्तविक लेखक उससे प्राचीन इतिहास के बारे में बात कर रहा है, और वह इसे थोड़ा भ्रमित कर गया। इसलिए साइरस के बजाय, उसने डेरियस कहा। इसलिए उसने उन लोगों को बदल दिया क्योंकि वह वास्तव में अपने इतिहास को अच्छी तरह से नहीं जानता था, जो मुझे लगता है कि वास्तव में बहुत बुरा है।

मेरा मतलब है, भले ही मैं इस दृष्टिकोण को रखता हूँ, अगर मैं इस दृष्टिकोण को नहीं रखता हूँ, तो यह वास्तव में इतिहास के बारे में इस आदमी के दृष्टिकोण का एक सड़ा हुआ दृष्टिकोण है, ठीक है? मुझे लगता है कि हम बाइबिल के लेखकों को इस बड़ी गलती को करने और इसे चार बार करने के लिए थोड़ा और श्रेय दे सकते हैं। उन्होंने उसे चार बार दारा मादी कहा। वैसे भी, यह बात अलग है।

मैं भटक गया। ठीक है, तो वह इस स्थान पर लगभग यहीं तक पहुँच गया है, और यह 1136 है। यह ठीक वहीं है जहाँ हम समाप्त होते हैं।

फिर, वह एंटीओकस के बारे में बात करता रहता है, यह राजा जो खुद को बहुत बड़ा मानता है, और वह ऐसी बातें कहने लगता है जो हमें ऐतिहासिक रिकॉर्ड में नहीं मिलती हैं। इसलिए, वह एंटीओकस के बारे में भविष्यवाणियाँ करता है, जैसे कि एंटीओकस कहाँ मरेगा। लेकिन फिर ऐसा लगता है कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड मेल नहीं खाता।

तो, सिद्धांत कहता है, ठीक है, हाँ, क्योंकि इस बिंदु से, वह वास्तव में भविष्यवाणियाँ कर रहा है। यहाँ, वह सिर्फ इतिहास का वर्णन कर रहा है। बेशक, वह बिल्कुल सही है।

यहाँ, वह वास्तव में भविष्यवाणियाँ कर रहा है। उनमें से कुछ सही साबित होती हैं। कुछ गलत साबित होती हैं।

इसलिए, वे उसे गलती करने देते हैं क्योंकि वह वास्तव में भविष्यवाणियाँ कर रहा होता है। ठीक है, तो यह इस बात का सार है कि एक्स इवेंटू कैसे काम करता है। कुछ विद्वान कहेंगे, ठीक है, फिर सवाल यह उठता है कि अगर आप एक इंजीलवादी या ईसाई विद्वान हैं और आप इस दृष्टिकोण को रखते हैं, तो आपको इस बात का हिसाब देना होगा कि यह कैसे गलत है, यह कैसे पवित्रशास्त्र में हो सकता है।

हम इसे कैसे गलत कर सकते हैं? हमारी भविष्यवाणी कैसे गलत हो सकती है? यह आपको बाइबल के बारे में आपके विचारों पर वापस ले जाता है, पवित्रशास्त्र के अधिकार का क्या अर्थ है, प्रेरणा का क्या अर्थ है, और शैलियों का उपयोग इन सबमें कैसे कारक है। तो, यह बहुत जटिल हो जाता है। इसमें बस कुछ बहुत ही बुनियादी सवाल हैं।

लेकिन इन सबके अलावा, यह दृष्टिकोण इसी तरह काम करता है। तो, इस तरह की शैली बाइबल के लिए उपयुक्त होगी या नहीं, यह एक ऐसा सवाल है जिस पर मैं आपको खुद ही विचार करने के लिए छोड़ता हूँ। कुछ लोगों की राय बहुत मजबूत होती है।

यह ऐसी शैली नहीं है जिसका उपयोग भगवान करेंगे। दूसरे लोग कहते हैं, ठीक है, यह एक शैली है। भगवान साहित्य या लेखन के किसी भी पहलू का उपयोग करना चुन सकते हैं जिसे वह उपयोग करना चाहते हैं।

वह ऐसा कर सकता है। तो यही मुद्दा है। यह पूर्व - भविष्यवाणी है।

अब भविष्यवाणी पर वापस आते हैं। श्लोक 11, फारस के राजा। और अब मैं तुम्हें सच बताऊंगा।

देखो, फारस में तीन और राजा उदय होनेवाले हैं। तब एक चौथाई उन सब से कहीं अधिक धन अर्जित करेगा। जैसे ही वह अपने धन के माध्यम से मजबूत हो जाएगा, वह पूरे साम्राज्य को ग्रीस के दायरे के खिलाफ भड़का देगा।

तथ्य यह है कि यहां चार राजा हैं, इस बात पर काफी असहमति है कि फारसी राजाओं की संख्या कैसे तय की जाए। ऐसा लगता है कि सबसे अच्छी व्याख्या यह कहना है कि यह पूर्णता की एक संख्या है। तीन प्लस एक और हैं, जो वास्तव में एक हिब्रू मुहावरा है।

वास्तव में यहाँ एक दर्जन से अधिक राजा हैं, लेकिन वे सभी। तो ये हैं फारस के राजा. और फिर श्लोक तीन और चार में, हम उस व्यक्ति की ओर बढ़ते हैं जिसे वह शक्तिशाली राजा कहता है, जो एक यूनानी राजा है।

तो, एक शक्तिशाली, और मैं आपके लिए रिक्त स्थान को भरने के लिए सिर्फ ग्रीक कहूंगा, एक शक्तिशाली ग्रीक राजा उठेगा, और वह बहुत अधिकार के साथ शासन करेगा और जो चाहे करेगा। लेकिन जैसे ही वह उठेगा, उसका राज्य टूट जाएगा और कम्पास के चारों कोनों में विभाजित हो जाएगा, हालांकि उसके अपने वंशजों को नहीं, न ही उसके अधिकार के अनुसार

जो उसने इस्तेमाल किया था। क्योंकि उसकी संप्रभुता को उखाड़ दिया जाएगा और उनके अलावा दूसरों को दे दिया जाएगा।

हर कोई इस बात से सहमत है कि यह शक्तिशाली राजा, यह शक्तिशाली राजा सिकंदर महान है। वह 336 में सत्ता में आया, उसने पूर्व में अभूतपूर्व सैन्य अभियान चलाए, और दस वर्षों के भीतर, वह तुर्की से भारत तक पहुंच गया, और उसने उस समय तक का सबसे बड़ा साम्राज्य स्थापित किया। उसने 330 में डेरियस III को हराया, और उसने फारसी साम्राज्य पर कब्जा कर लिया।

लेकिन फिर अपनी शक्ति के शिखर पर, वह मर गया और कोई वारिस नहीं छोड़ा। इसलिए, उसका साम्राज्य बंट गया। यह इतिहास है जिसे हम कई बार देख चुके हैं।

केवल वे लोग जिनकी हम परवाह करने जा रहे हैं, और केवल वे लोग जिनकी यह रहस्योद्घाटन परवाह करने जा रहा है, वे हैं सेल्यूकस और टॉलेमी, जिन्हें भविष्यवाणी में उत्तर का राजा कहा गया है, वह सेल्यूकस है, और दक्षिण का राजा, वह टॉलेमी है। तो, उत्तर और दक्षिण के राजा। अब, यह खंड जिसकी मैं शुरुआत कर रहा हूँ, वह सेल्यूकस और टॉलेमी के बीच के दो सौ साल के इतिहास को बताता है।

अगर मैं रुककर आपको सारी जानकारी दूँ, तो मैं वादा करता हूँ कि आपकी आंखें नम हो जाएंगी। दृष्टि का यह बहुत ही संक्षिप्त हिस्सा उनके अंतिम शब्द हैं। तो यह तीसरे खंड की संरचना है।

आइए हम यहाँ प्रत्येक भाग को देखें। इसलिए, श्लोक 13 और 14 में, वह इसे मनुष्य के पुत्र के रूप में देखता है, जिसका सीधा सा अर्थ है कि यह एक ऐसा व्यक्ति है जो मनुष्य जैसा दिखता है। मनुष्य के पुत्र की तरह का अर्थ है कि यह एक मानव-जैसी आकृति है।

ध्यान दें कि हम फिर से तुलनात्मक भाषा पर वापस आ गए हैं। पहले तीन जानवर किसी और चीज़ जैसे थे। यहाँ, हमारे पास एक आकृति है जो एक इंसान की तरह है।

और यह एक विरोधाभास है। जानवरों, यहाँ हमारे पास एक इंसान है। वह मनुष्य के बेटे जैसे किसी व्यक्ति को स्वर्ग के बादलों के साथ आते हुए देखता है।

जब भी हमें पुराने नियम में बादलों की छवि मिलती है, तो हमें ध्यान देना चाहिए। कभी-कभी बादलों का मतलब सिर्फ़ आसमान में लहराती चीज़ों से होता है, जो मौसम संबंधी घटना का संकेत होता है। कभी-कभी बादलों का इस्तेमाल प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।

वे किसी चीज़ की अस्थायित्व या विशालता या अभेद्यता के बारे में बात करेंगे। इसका इस्तेमाल किसी और चीज़ के लिए कल्पना के रूप में किया जाता है। हालाँकि, सबसे आम तौर पर, पुराने नियम में बादलों का उपयोग ईश्वर के दर्शन या ईश्वर के प्रकट होने से संबंधित है।

तो अगर मेरे स्रोत ने सही ढंग से गणना की है, तो 87 में से लगभग 58 बार, 87 घटनाएँ परमेश्वर की उपस्थिति के संदर्भ में होती हैं। ये विशेष रूप से पेंटाटेच, पहली पाँच पुस्तकों में प्रचलित हैं। हमारे पास सिनाई के ऊपर, मिलन के तम्बू के ऊपर यहोवा का महिमा बादल है।

हम बादल के खंभे में उसकी उपस्थिति देखते हैं। फिर, बाद के मंदिर पाठ में, हम बादल के बारे में सुनते हैं। हालाँकि, बादलों पर आने वाले या बादलों के साथ आने वाले किसी व्यक्ति की कल्पना यहाँ दानियेल 7 में विशेष रूप से प्रासंगिक है। प्राचीन निकट पूर्वी साहित्य में, कोई व्यक्ति रथ की तरह बादलों पर सवार होता है।

वे सिर्फ बादलों पर तैरते नहीं हैं। जब हम बादलों में होते हैं तो हम यही सोचते हैं। आप बादलों पर तैरते हैं।

यह कोई ऐसा व्यक्ति है जो बादलों पर ऐसे सवार है जैसे कि वे कोई रथ हों। बाल उनमें से सबसे प्रसिद्ध है। बाल का उपनाम वास्तव में बादलों का सवार या बादलों का सवार है।

और आप उसे बादल के ऊपर हाथ में बिजली का बोल्ट लिए हुए देख सकते हैं क्योंकि वह मौसम का प्रभारी है। और वह या तो अपनी प्रजा को बारिश से आशीर्वाद देगा या नहीं। बाइबल में, हमारे पास बादल पर सवार होने की एक छवि भी है।

यहोवा ही बादलों पर सवार है। इसलिए, भजन संहिता की पुस्तक में, वह आकाश में बादलों पर सवार होकर चलता है। कभी-कभी वह न्याय के लिए बादलों पर सवार होता है।

यह यशायाह, यर्मयाह और नहूम में दिखाई देता है। खैर, डैनियल की दृष्टि में जो दिलचस्प बात है वह यह है कि उसे सिंहासन मिल गया है, है ना? और सिंहासन पर, उसे प्राचीन काल प्राप्त हुआ है। मैं जानता हूँ कि यह एक खराब सिंहासन है।

अति प्राचीन, यहोवा, ठीक है? लेकिन उसके पास बादल पर सवार कोई व्यक्ति भी है। वहाँ, मैंने बस एक बिलोवी बादल बनाया। उसके पास एक क्लाउड राइडर है।

लेकिन पुराने नियम में, बादल पर सवार कोई व्यक्ति यहोवा है। अच्छा, हम यह कैसे करें? हमने यहोवा को बादलों पर सवार पाया है। हमने यहोवा को सिंहासन पर बैठाया है।

डैनियल के दर्शन में, यहोवा सिंहासन पर है। और एक बादल भी है जिस पर कोई सवार है। इस एकल दर्शन में डैनियल जो देख रहा है वह यहोवा की दो आकृतियाँ हैं।

वह प्राचीनकाल के व्यक्ति को देखता है, और वह बादल सवार को भी देखता है। और इस बादल सवार को शासन करने का अधिकार प्राप्त होता है, है न? वह सिंहासन के सामने प्रकट होता है, और प्राचीनकाल के व्यक्ति उसे शासन करने का अधिकार देता है और उसे शाश्वत राज्य प्रदान करता है। दानियेल, आश्चर्यजनक रूप से, स्वर्ग में दो शक्तियों को देख रहा है।

वह सिंहासन पर बैठे व्यक्ति को देखता है, जो प्राचीन काल का है, और वह बादल सवार को भी देखता है। वह एक उप-शासक को देखता है, जिसे यहोवा के साथ साझा शक्ति दी गई है। लेकिन यह यहोवा है।

हम इसे कैसे समझाएँ? मुझे यहाँ इस दिव्य परिषद पर वापस जाना चाहिए। विशिष्ट प्राचीन निकट पूर्वी दिव्य परिषदों में, एल सर्वोच्च देवता है। कम से कम उगरिटिक में, यह सच है।

उसका उप-शासक बाल है। बादल सवार बाल को शासन करने का अधिकार दिया गया है। यह उसका उप-शासक है।

तो, एल और उप-शासक बाल एक ही नहीं हैं। वे एक ही स्तर पर नहीं हैं।

एल उच्च देवता है। बाल परिवार का हिस्सा है। डैनियल 7 सुझाव देता है कि इज़राइली दिव्य परिषद में, हमारे पास प्राचीन काल के यहोवा हैं, और हमारे पास एक उप-शासनकर्ता है जिसे शासन करने का अधिकार दिया गया है जो उसके सार को साझा करता है।

वह निचला नहीं है। यह वही भाषा है। हम उम्मीद करते हैं कि यहोवा बादलों पर सवार हो।

स्वर्ग में हमारे पास दो शक्तियाँ, समान शक्तियाँ हैं। क्या हमारे दो भगवान हैं? नहीं, वे दोनों यहोवा हैं।

भला, वह कैसे हो सकता है? खैर, यह इज़राइली दिव्य परिषद और प्राचीन निकट पूर्वी दिव्य परिषद में बड़ा अंतर है। मैं चाहता हूँ कि आप यहां यह सोचें कि दैवीय परिषद की यह पुराने नियम की अवधारणा नए नियम की ओर बढ़ने और यीशु के व्यक्तित्व को समझने के लिए एकदम सही संरचना है। हम कहेंगे, ठीक है, यीशु यह उप-शासनकर्ता है, जिसने शासन करने का अधिकार दिया है।

उनको राज्य मिलता है। हाँ, वह भी पिता के समान ही है। यह इज़राइल की दिव्य परिषद की एक आश्चर्यजनक तस्वीर है, और यह इज़राइल की परिषद और अन्य परिषदों के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर दिखाती है।

मुझे लगता है कि यह डैनियल 7 को इतना शक्तिशाली पाठ बनाता है, यह उसका एक हिस्सा है। यह मानव-जैसी आकृति, जिसके बारे में हमें कैनन में बहुत बाद में पता चलेगा, को हमेशा के लिए प्रभुत्व और एक शानदार साम्राज्य दिया गया है। लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि यह राज्य जो मनुष्य के पुत्र के रूप में प्राप्त होता है, संतों के साथ साझा किया जाता है, और वे उसके साथ हमेशा के लिए शासन करते हैं।

तो, यह अविश्वसनीय रिश्ता है, जो, जैसा कि मैंने कहा, आपको डैनियल की किताब, इज़राइल के भगवान और उसकी महानता की इस शानदार तस्वीर के माध्यम से किसी भी चीज़ के माध्यम से प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करता है। यह वह व्यक्ति है जो सभी लोगों, राष्ट्रों

और भाषाओं की सेवा या पूजा प्राप्त करेगा। ठीक है, तो यह उस दृष्टिकोण के पहले भाग का अंत है।

और फिर हमारे पास यह व्याख्यात्मक अंतराल है जहां डैनियल है, वाह, वह नहीं जानता कि इसके साथ क्या करना है। तो, वह पास खड़े एक व्यक्ति के पास जाता है, शायद सिंहासन के चारों ओर उपस्थित सेवकों में से एक, और वह जानना चाहता है कि इसका क्या मतलब है। और मुझे प्रारंभिक व्याख्या पसंद है।

डैनियल का कहना है कि उसने उससे इस सब के बारे में सच्चाई पूछी। और इसलिए, उसने मुझसे कहा, ये चार महान जानवर चार राजा हैं जो पृथ्वी से उभरेंगे। और फिर वह संतों के बारे में बात करने लगता है।

आपको बस इतना ही मिलता है। ये चार जानवर चार महान राजा हैं। इतना ही? हमें बस इतना ही मिलता है? यह वह चीज़ नहीं है जिसकी यह दृष्टि सबसे अधिक परवाह करती है।

यह दृष्टिकोण मनुष्य के इस पुत्र से जुड़े संतों और उन्हें मिलने वाली विरासत के बारे में सबसे अधिक परवाह करता है। परन्तु परमप्रधान के पवित्र लोग राज्य प्राप्त करेंगे, और युगानुयुग राज्य के अधिकारी रहेंगे। यह प्रारंभिक व्याख्या है।

उसे बस इतना ही मिलता है। और हमारे पास इन विचित्र प्राणियों के बारे में बहुत सारे प्रश्न हैं। देवदूत कहता है कि चार महान राजा होंगे, लेकिन परमप्रधान के संत हमेशा-हमेशा के लिए राज्य के उत्तराधिकारी होंगे।

परमप्रधान के संत मूल दर्शन में भी नहीं थे। और यहाँ वे इस प्रारंभिक व्याख्या में दिखाई देते हैं। इसलिए, जाहिर है, दानियेल थोड़ा और जानना चाहता है, इसलिए वह थोड़ा आगे बढ़ता है।

मैं विशेष रूप से इस चौथे जानवर के बारे में सच्चाई जानना चाहता हूँ। चौथा जानवर उसे परेशान कर रहा है क्योंकि यह बाकी जानवरों से अलग है। यह बहुत भयानक है।

और वह वास्तव में हमें लगभग वही दिखाता है जो उसने इस जानवर के बारे में शुरू में देखा था। और वह कुछ और बातें भी जोड़ता है। तो यहाँ हम सीखते हैं कि इसके पंजे कांसे के हैं जो पहले वर्णन में नहीं थे।

और वह उस जानवर के बारे में जानना चाहता है। वह दस सींगों, और उस छोटे सींग, और तीन सींगों, और आँखों, और मुँह के बारे में जानना चाहता है। मैं इसके बारे में और जानना चाहता हूँ।

जबकि वह इस बारे में और जानना चाहता है, उसे लगता है कि इस छोटे सींग और परमप्रधान के संतों के बीच अभी भी कुछ हो रहा है। तो यह हमें दूसरे दर्शन की ओर ले जाता है। जब वह जानकारी मांग रहा होता है, तो वह देखता है कि यह छोटा सींग संतों के साथ युद्ध कर रहा है और तब तक जीतता रहता है जब तक कि प्राचीनतम आकर संतों के पक्ष में निर्णय नहीं सुना देता।

ठीक है, तो चलिए थोड़ा धीमे चलते हैं। ये चार बड़े जानवर चार राजा हैं। और मुझे लगता है कि हम चार शाब्दिक साम्राज्यों की पहचान करने की कोशिश कर सकते हैं।

हम दो व्याख्यानों में ऐसा करेंगे। मुझे लगता है कि इस समय, शायद यह समग्रता है। देवदूत को बस इसी बात की परवाह है।

ये चार बड़े जानवर चार राजा हैं। और याद रखें, ये चार जानवर चार हवाओं से घूमते हुए समुद्र से उगे या उभरे। तो इस कल्पना में समग्रता है।

व्याख्याकार के लिए सबसे बड़ी दिलचस्पी उन चार जानवरों जैसे सांसारिक राज्यों से सर्वोच्च के पवित्र लोगों को संप्रभुता का हस्तांतरण है। और इसलिए मुझे लगता है कि हम मान सकते हैं कि दर्शन में विवरण, मूल दर्शन, महत्वपूर्ण हैं। लेकिन मुझे लगता है कि व्याख्या में हमें जो थोड़ी जानकारी दी गई है, उससे हमें किसी एक दृष्टिकोण को बहुत अधिक मजबूती से पकड़ने या उन चीजों को बहुत अधिक महत्व देने के खिलाफ सावधान रहना चाहिए जो वास्तव में पाठ में गौण हैं।

चलो देखते हैं। तो, वह विशेष रूप से इस चौथे जानवर के बारे में अधिक जानकारी मांगता है। फिर वह इस अतिरिक्त संघर्ष को घटित होते हुए देखता है।

और फिर हमें एक और व्याख्यात्मक अंतराल मिलता है। तो, जब वह यह सब होता हुआ देखता है, तो हमें कुछ और व्याख्या मिलती है। बस यहाँ थोड़ा और।

हमें चौथे जानवर के बारे में अधिक जानकारी मिलती है, जो एक राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। और फिर, यह प्रतीकात्मक हो सकता है। ध्यान दें कि देवदूत इसे कैसे दोहराता है।

वह कहता है, चौथे पशु के लिये पृथ्वी पर एक चौथा राज्य होगा, जो सब से भिन्न होगा। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में एक विशाल टिप्पणी लिखने वाले ग्रेग बील के अनुसार, सर्वनाशी साहित्य में चार का उपयोग करते हुए, उनका कहना है कि चार यहाँ चीजों की प्रतीकात्मक प्रकृति की ओर संकेत कर सकते हैं। तो सर्वनाशी साहित्य में चार, वे कहते हैं, पूर्णता की एक संख्या है, विशेष रूप से सार्वभौमिक या विश्वव्यापी दायरे का कुछ अर्थ है।

यह ब्रह्मांडीय पूर्णता की संख्या है। इसलिए, मुझे लगता है कि जब हम इस बारे में बात कर सकते हैं कि यह चौथा साम्राज्य विशेष रूप से किसकी पहचान करता है, तो हमें पीछे हटकर यह भी कहना होगा कि यह दृष्टि ब्रह्मांडीय है। यह केवल चार मानव साम्राज्यों तक ही सीमित नहीं है।

हम यहां लौकिक महत्व की बात कर रहे हैं। इस चौथे जानवर में एक सार्वभौमिकता है। हमें बताया गया है कि दस सींग, इस चौथे राज्य से उत्पन्न हुए दस राजा हैं।

यह प्रतीकात्मक हो सकता है। सर्वनाशकारी साहित्य में दस एक सामान्य संख्या है। इतिहास को प्रायः दस कालखंडों में विभाजित किया जाता है।

यह संपूर्णता का प्रतीक हो सकता है। लेकिन फिर भी, सींग शक्ति का प्रतीक है। तो, हमारे पास असाधारण शक्ति वाला यह जानवर है।

फिर, वह ग्यारहवां छोटा सींग जो डैनियल को इतना परेशान कर रहा था। यह राजा अनोखा है। वह पहले के राजाओं से भिन्न होगा।

वह तीन राजाओं को अपने अधीन करने जा रहा है। और फिर, हम पहचानने की कोशिश कर सकते हैं कि वे कौन हैं, लेकिन देवदूत हमें नहीं बताता। इसलिए, मैं इस बारे में बहुत हठधर्मी नहीं बनने जा रहा हूँ।

परमप्रधान के विरुद्ध शब्द बोलने वाला है। आँखों के लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। लेकिन जैसा कि हमने पहले देखा, यह इस छोटे सींग के व्यवहार में अहंकार या दुष्टता का एक सुझाव मात्र हो सकता है।

ये पवित्र लोग कौन हैं? इन पवित्र लोगों के विरुद्ध बातें की जाती हैं और उन पर अत्याचार किया जाता है। और पवित्र लोग जो इस राज्य के वारिस हैं। कौन हैं वे? खैर, पुराने नियम में, आम तौर पर, और डैनियल में, मोटे तौर पर कहें तो, और मुझे लगता है कि यहां भी, पवित्र लोगों को स्वर्गीय प्राणियों के रूप में सबसे अच्छा समझा जाता है।

तो, अलौकिक प्राणी। हालाँकि, मुझे लगता है कि डैनियल की किताब बाइबल में उन दुर्लभ स्थानों में से एक है जहाँ से पर्दा हटा दिया गया है। आमतौर पर, बाइबल पृथ्वी पर जीवन से संबंधित है।

पृथ्वी पर आपका जीवन. ईश्वर इतिहास के माध्यम से कार्य कर रहा है। परमेश्वर पृथ्वी ग्रह पर अपनी योजना को कार्यान्वित करता है।

बाइबल की अधिकांश रुचि इसी में है। लेकिन कभी-कभी, हम इस पर्दे को हटा देते हैं, और हम देखते हैं कि पृथ्वी पर जीवन के अलावा भी कुछ और चल रहा है। एक अलौकिक दुनिया है।

इसके बारे में हमें पूरी जानकारी नहीं मिल पाती है। हमें कुछ झलक मिलती है कि वहां युद्ध चल रहा है। वहाँ लड़ाई है।

संघर्ष हैं। हम डैनियल 10 और 11 में इसे और अधिक देखेंगे। हमारे पास लौकिक, देवदूतीय लड़ाइयाँ चल रही हैं।

और मुझे लगता है कि हमें यह विचार मिल गया है कि पृथ्वी पर जो चीजें घटित होती हैं, वे किसी न किसी तरह से उस स्वर्गीय क्षेत्र में घटित होने वाली चीजों से प्रतिबिंबित होती हैं और इसके विपरीत भी। इसलिए, जब हम पवित्र लोगों के साथ कुछ होने की बात करते हैं, अगर हम भाषा पर दबाव डालना चाहते हैं, तो मैं कहूंगा, ठीक है, वे स्वर्गदूत हैं, या वे दिव्य प्राणी हैं। लेकिन उनके साथ जो भी टकराव हो रहा है उसका असर धरती पर भी दिख रहा है।

तो, यह थोड़ा पेचीदा हो जाता है, और क्योंकि बाइबल हमें इसके बारे में बहुत कम जानकारी देती है, यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसके बारे में मैं बहुत अधिक बात करता हूँ क्योंकि मैं नहीं जानता। बाइबल मुझे नहीं बताती। हमें बस थोड़ी सी झलक मिलती है कि उस पर्दे के पीछे कुछ चल रहा है।

और डैनियल की पुस्तक में, मुझे लगता है कि उन दो क्षेत्रों के बीच की रेखाएँ धुंधली हैं, इस तरह कि इस दृष्टि में, हम वास्तव में निश्चित नहीं हैं। क्या हम लोगों को देख रहे हैं? क्या हम स्वर्गदूतों को देख रहे हैं? यह किसके साथ हो रहा है? लेकिन उनके बीच एक रिश्ता है। तो यदि छोटा सींग और, कहे, उसके स्वर्गीय समकक्ष, भगवान के जो भी पुत्र उस क्षेत्र पर हैं, यह छोटा सींग और उसके स्वर्गीय समकक्ष उच्चतम पवित्र लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं, तो यह पवित्र लोगों के भारी उत्पीड़न में प्रकट होने वाला है 'पृथ्वी पर लोग।

ठीक है। जब तक व्याख्या समाप्त होती है, तब तक हमारे पास बहुत सारे प्रश्न होते हैं जिनका उत्तर नहीं दिया गया है। हमें इस स्पष्टीकरण के साथ छोड़ दिया जाता है कि इन जानवरों का न्याय किया जाएगा, छोटे सींग का न्याय किया जाएगा, और पूरे आकाश के नीचे के राज्यों का राज्य और प्रभुत्व और महानता पवित्र लोगों को नहीं, बल्कि परमप्रधान के पवित्र लोगों के लोगों को दी जाएगी।

परमप्रधान के संतों के लोग कहा जाएगा। संत पुराने नियम में पवित्र लोगों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक और छोटा सा संकेत है कि हमारे पास स्वर्गदूत और मनुष्य हैं, और उन दोनों के बीच कुछ ऐसा संबंध है जिसके बारे में हम निश्चित नहीं हैं।

लेकिन आयत 22 में कहा गया है कि पवित्र लोग राज्य के अधिकारी होंगे। पद 27 में, पवित्र लोगों के लोग राज्य के अधिकारी होंगे। बहुत सारा रहस्य है।

व्याख्या और दर्शन में बहुत रहस्य है। ऐसे बहुत से विवरण हैं जिन पर ध्यान नहीं दिया गया है, और फिर कुछ विवरणों की व्याख्या की गई है जो दृष्टि में भी नहीं हैं। और मुझे रहस्य से कोई दिक्कत नहीं है।

मैं ठीक हूँ कि बाइबल जो कहती है उसे कहने दे और मेरे पास जो भी प्रश्न हों उनसे पूछूँ, सबसे अच्छे उत्तरों तक पहुँचूँ जो मैं कर सकता हूँ, लेकिन फिर पीछे हट जाता हूँ और कहता हूँ कि यहाँ एक रहस्य है। मैं सभी उत्तर नहीं जानता, और मैं इससे संतुष्ट हूँ। डैनियल ने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला, मेरे विचारों ने मुझे बहुत चिंतित कर दिया।

खैर, इसमें कोई शक नहीं। उन्होंने सर्वोच्च पवित्र लोगों के लोगों के लिए महान उत्पीड़न का सपना देखा था। वह ऐतिहासिक रूप से कहाँ है? वह बेलशेज़र के शासनकाल में वापस आ गया है।

वह वास्तव में पुनर्स्थापना के कगार पर है। जब साइरस ने 539 में अपना फरमान जारी किया, तो इज़राइल स्वतंत्र था और यहां तक कि भूमि पर वापस जाने के लिए कुछ तरीकों से वित्त पोषित भी किया गया था। जबरन निर्वासन खत्म होने वाला है।

निश्चित रूप से, इस शानदार पुनर्स्थापना के बारे में भविष्यवक्ता के शब्द घटित होने वाले हैं। मैं शर्त लगा सकता हूं कि डैनियल के पास निर्वासन के दौरान शानदार बहाली की यही आशा है। और फिर उसके पास यह दृष्टि है जो कहती है, ठीक है, तुम्हें इंतजार करना होगा।

अभी भी बहुत बड़ी पीड़ा बाकी है। जब हम अध्याय 9 पर पहुँचते हैं, तो हम वास्तव में बहाली के कगार पर होते हैं, और गेब्रियल कहेंगे, हाँ, यह तो बस एक छोटा सा हिस्सा है। इस पूरी तस्वीर में और भी बहुत कुछ है।

तो रुको, डैनियल। डैनियल परेशान है, लेकिन वह इस मामले को अपने दिल में रखता है। मुझे नहीं पता कि वह इस बारे में किससे पूछेगा, लेकिन वह चिंतित है, और वह इससे परेशान है।

और इस तरह की प्रतिक्रिया वास्तव में और भी तीव्र होती जाएगी क्योंकि उसके दर्शन जारी रहेंगे। तो यह विजन ब्लॉक 3 का अंत है। यह पूरी रिपोर्ट का अंत है। यह अध्याय का अंत है।

दिलचस्प बात यह है कि दानियेल, जो दर्शनों की व्याख्या करने में सक्षम माना जाता है, वह इस दर्शन की व्याख्या नहीं कर सकता। यह उसके लिए एक रहस्य है। उसके लोगों के लिए आगे और भी बुरे दिन आने वाले हैं, लेकिन सिंहासन कक्ष के इस दर्शन और मनुष्य के पुत्र को प्राप्त करने जैसे दृश्य में बहुत सात्वना भी है।

इसमें बहुत राहत है। और मुझे लगता है कि यह परमेश्वर के लोगों के लिए एक अनुस्मारक भी है कि वे अकेले नहीं लड़ रहे हैं। यह युद्ध छोटे सींग और पवित्र लोगों के बीच चल रहा है।

अब, वे इसमें शामिल हैं, लेकिन यह एक ब्रह्मांडीय संघर्ष है। यह सिर्फ धरती पर उनकी लड़ाई या धरती पर उनका संघर्ष नहीं है। वे जो कुछ भी सामना कर रहे हैं, उसका ब्रह्मांडीय महत्व है, लेकिन यह सब भगवान के नियंत्रण में है।

और उनके लिए सबसे अच्छी खबर यह है कि परमेश्वर का शाश्वत राज्य अंततः विजयी होने जा रहा है। सीएल के पास डैनियल पर एक टिप्पणी है, और वह इस पूरे अध्याय को यह कहते हुए सारांशित करता है, विश्व व्यवस्था से कम कुछ भी दांव पर नहीं है, और सर्वोच्च के पवित्र लोग, आकाशीय और स्थलीय दोनों, सभी अच्छे लोगों के पक्ष में लड़ने वाले चैंपियन हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए एक बड़ी राहत है जो सर्वनाशकारी समय का सामना कर रहे हैं।

और कभी-कभी, जिस संस्कृति में मैं रहता हूं, मैंने वास्तव में उनका सामना नहीं किया है, जिससे सर्वनाशकारी साहित्य को समझना विशेष रूप से कठिन हो जाता है क्योंकि यह मेरी स्थिति में वास्तविक नहीं है। लेकिन दुनिया भर में ऐसे लोग भी हैं जिनके लिए यह साहित्य बहुत वास्तविक है। पीड़ा बहुत वास्तविक है।

और इस प्रोत्साहन से मिलने वाला आराम बहुत बड़ा है। यह डैनियल 7 का अंत है। अगली बार जब हम मिलेंगे तो हम डैनियल 8 पर वापस आएंगे।

यह डैनियल की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. वेंडी विडर हैं। यह सत्र 10, डैनियल 7, भगवान का श्रेष्ठ राजा और शाश्वत साम्राज्य है।